नर्मदा कॉलेज में प्रज्ञा प्रवाह के अंतर्गत मन पर केंद्रित व्याख्यानमाला का आयोजन

नर्मदापुरम। राज न्यूज नेटवर्क। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम और प्रज्ञा प्रवाह संयुक्त तत्वाधान में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया ।जिसमें विभाग संयोजक डॉ संतोष व्यास एवं डॉ रवि उपाध्याय डा राजेश दीवान , डॉ कृष्णगोपाल मिश्र डॉ संतोष अहिरवार ,डॉ कल्पना विश्वास आदि प्राध्यापकों ने ÷भारतीय ज्ञान परंपरा में मन की अवधारणा÷ विषय पर विचार मंथन किया इस अवसर पर डॉ रवि उपाध्याय ने भारतीय ज्ञान की मीमांसा में मन के विषय पर विविध संदर्भों से उदाहरण देते हुए भारतीयता = वैज्ञानिक दृष्टिकोण विषय पर अपने सारगर्भित विचार रखें ।वैज्ञानिक तर्कों के आधार पर भारतीय ज्ञान परंपरा को महत्वपूर्ण सिद्ध किया। जिसमें कठोपनिषद गीता ,रामायण इत्यादि के उदाहरण से इस बात को सिद्ध किया। डॉ कृष्ण गोपाल मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान विविध संदर्भ में परिलक्षित होता है। जो हमारे ज्ञान की परंपरा है उसमें मन चित्त और अहंकार, पुरुषार्थ, धर्म और अध्यात्म जैसे संदर्भों से मन की अवधारणा को समझाया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री महेश राजपूत जी ने कहा की मन स्थिति चंचल है इसको समझाना बड़ा कठिन कार्य है। कार्यक्रम का

संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ संतोष अहिरवार के द्वारा किया गया उन्होंने इस दौरान कहा कि साहित्य में मन के विषय पर खूब लिखा गया है जो की विविध स्थिति को दर्शाता है। अंत में आभार प्रदर्शन जूलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजेश दीवान के द्वारा किया गया कार्यक्रम में 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता की और अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम में सहभागिता करने की इच्छा प्रकट की।